UNI BREVITY ACCURACY SPEED

यूनीवार्ता
भारत की अग्रणी संवाद समिति

http://www.univarta.com/news/states/story/3277933.html#:~:text=%E0%A4%89%E0%A4%A6%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%AE%E0%A4%BF%E0%A4%A4%E0%A4%BE%20%E0%A4%B8%E0%A4%AE%E0%A5%81%E0%A4%A6%E0%A4%BE%E0%A4%AF%20%E0%A4%A6%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%BE%20'%E0%A4%89%E0%A4%A6%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%AE%E0%A5%80%20%E0%A4%86%E0%A4%82%E0%A4%A6%E0%A5%8B%E0%A4%B2%E0%A4%A8,%E0%A4%88%E0%A4%A1%E0%A5%80%E0%A4%86%E0%A4%88%E0%A4%86%E0%A4%88%20%E0%A4%95%E0%A5%80%20%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%A5%E0%A4%BE%E0%A4%AA%E0%A4%A8%E0%A4%BE%20%E0%A4%AD%E0%A5%80%20%E0%A4%95%E0%A5%80%E0%A5%A4

Posted at: Sep 6 2024 9:53PM

ईडीआईआई में 'उद्यमी राष्ट्र निर्माण के स्तंभ हैं' पर व्याख्यान आयोजित

अहमदाबाद, 06 सितम्बर (वार्ता) गुजरात के ईडीआईआई अहमदाबाद में 'उद्यमी राष्ट्र निर्माण के स्तंभ हैं' विषय पर शुक्रवार को व्याख्यान आयोजित किया गया।

ईडीआईआई ने चार अप्रैल 2019 को अपने संस्थापक पद्मश्री डॉ वी.जी. पटेल को खो दिया था। उनके द्वारा उद्यमिता के क्षेत्र में किए गए अद्वितीय कार्यों की सराहना करने के लिए संस्थान ने 2019 में सालाना व्याख्यानों की श्रृंखला की शुरुआत की। उद्यमिता समुदाय द्वारा 'उद्यमी आंदोलन के अग्रदूत' के रूप में डॉ वी.जी. पटेल ने भारत और दुनिया भर में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपने आप को समर्पित कर दिया था। वे न सिर्फ भारत में अपनी अवधारणाओं को स्थापित करने में सफल रहे, बल्कि 1983 में उन्हें राष्ट्रीय संसाधन संस्थान, ईडीआईआई की स्थापना भी की।

श्रृंखला में छठे इस व्याख्यान का आयोजन ईडीआईआई परिसर में हुआ, जिसका विषय था 'उद्यमी राष्ट्र निर्माण के स्तंभ हैं'। इस अवसर पर जाने-माने उद्यमी और हरी कृष्णा एक्सपोर्ट्स प्रा. लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन सावजीभाई ढोलकिया ने स्मृति व्याख्यान (मैमोरियल लैक्चर) दिया, जिसका आयोजन भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद द्वारा किया गया।

सभा को सम्बोधित करते हुए श्री सावजीभाई ढोलकिया ने कहा, "मेरे लिए गर्व का अवसर है कि मुझे इस मंच को संबोधित करने का मौका मिला है। डॉ पटेल, एक दिग्गज और सही मायनों में दूरदृष्टा थे, जिन्होंने न सिर्फ हमारे देश को उद्यमिता से परिचित कराया, बल्कि इसके माध्यम से आत्मनिर्भरता एवं स्वतन्त्रता के मूल्यों को भी प्रोत्सिहत किया। एक योग्य उद्यमी ही 1983 में स्पॉन्सर्स को उद्यमिता संस्थान की स्थापना के लिए तैयार कर सकता है। यह बेहतरीन उपलब्धि थी, और इसके बाद हुए कार्यों ने इतिहास रच दिया। मेरा मानना है कि डॉ पटेल का दृष्टिकोण और कौशल आज के उद्यमियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

उन्होंने स्टार्ट-अप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के बीज बोए, जिसकी बात आज हम गर्व के साथ करते हैं। वे युवा जो उद्यमी बनना चाहते हैं, उन्हें हर तूफ़ान के बाद कड़ी मेहनत और क्षमता का महत्व समझना चाहिए, जो उन्हें उद्यमी बना सकता है। अगर आप अकेले पैसा कमाने के लिए मैदान में उतर रहें हैं, तो सावधान हो जाइए। उद्यमिता के लिए प्रत्यास्थता, मन की क्षमता और कड़ी मेहनत की ज़रूरत होती है, आपको अपनी नींद और आराम छोड़ कर सकारात्मक सोच को अपनाना होता है। डॉ वी.जी. पटेल उद्यमिता के इन्हीं मूल्यों के साथ आगे बढ़ते रहे। मुझे खुशी है कि डॉ शुक्ला इस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। ईडीआई के सभी भावी पहलों के लिए मैं शुभकामनाएं देना चाहूंगा।"

डॉ सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई ने उद्यमिता की अवधारणा को पेश कर और इसे बढ़ावा देकर देश के आर्थिक विकास में डॉ पटेल के उत्कृष्ट योगदान पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा "डॉ पटेल ने देश को उद्यमिता से परिचित कराया, जब लोग इसकी संभावनाओं के बारे में बिल्कुल भी अवगत नहीं थे। डॉ पटेल ने अपने प्रयासों को तब तक जारी रखा जब तक उन्होंने दुनिया के सामने यह साबित नहीं कर दिया कि प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन के द्वारा सफल उद्यमी बनाए जा सकते हैं और इस बात में कोई सच्चाई नहीं कि सफल उद्यमी बनने का विशेषाधिकार कुछ ही लोगों तक सीमित है। उद्यमिता के क्षेत्र में डॉ पटेल का योगदान बेजोड़ है। उन्होंने न सिर्फ ज्ञान का बुनियादी ढांचा तैयार किया, बल्कि लोगों को प्रेरित भी किया, उद्यमिता के प्रति उनकी सोच को बदला।"

अनिल.संजय
जारी.वार्ता